B.A Hons Part II Paper III

20/4/2022

Date
Page

Q जनमत मापने की विधियों का वर्णन करें।
(Describe the methods of measuring Public opinion.)

Ans सरकार की किसी नीति को जनता पसन्द करती है या नहीं किसी घटना के सम्बन्ध में लोगों का विचार अनुकूल है या प्रतिकूल आदि की जानकारी प्राप्त करना ही जनमत का मापन कहलाता है। जनमत को मापने की आवश्यकता प्रजातांत्रिक राष्ट्र में अधिक है, क्योंकि जनमत की जानकारी प्राप्त करने के बाद प्रजातांत्रिक सरकार को किसी नीति या योजना बनाने में सुविधा होती है। जनमत की उपेक्षा कर सरकार जीवित नहीं रह सकती है। जिसवर्थ ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि प्रजातांत्रिक सरकार की सफलता का कारण जनमत की स्वीकृति तथा विफलता का मुख्य कारण जनमत का विरोध है।

जनमत की निम्नलिखित विधियाँ है:-

1) प्रश्नावली विधि - जनमत मापने के लिए प्रश्नावली विधि का प्रयोग विशेष परिस्थिति में किया जाता है। जब सूचनादाता दूर दूर तक फैले होते हैं तो प्रश्नावली विधि द्वारा जनमत का अध्ययन किया जाता है। इस विधि के अन्तर्गत समस्या सम्बन्धी कुछ प्रश्न बनाये जाते हैं जिस व्यक्ति की प्रतिक्रियाओं को जाना जाता है और प्रतिक्रियाओं के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाता है कि जनमत पक्ष में है या विपक्ष में।

2. सूची विधि - सूची विधि सामान्य प्रश्नावली का परिमार्जित रूप है। इसमें समस्या सम्बन्धी प्रश्नावली तैयार की जाती है। इस प्रश्नावली के आधार पर जनमत जाना जाता है। एक प्रश्नावली का बार-बार प्रयोग करने से मत की सत्यता और विश्वसनीयता का पता चल जाता है। इसके साथ साथ परिवर्तनशील मतों का भी पता चल जाता है।

(3) जन - समूह अवलोकन विधि - जनमत मापने के लिए इस विधि का प्रयोग सबसे पहले इंग्लैण्ड में मैन तथा हैरिसन ने किया था। इसके अन्तर्गत भिन्न भिन्न परिस्थितियों में प्रशिक्षित तथा अप्रशिक्षित अवलोकनकर्ता द्वारा जनसमूह के व्यवहारों का अवलोकन किया जाता है और इस आधार पर जनमत के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जाती है। इस विधि द्वारा जनमत का अध्ययन भाषणों, समाचार - पत्रों आदि के आधार पर किया जाता है।

(4) लेख अध्ययन विधि - जनमत मापने हेतु लेखों तथा पत्र का व्यवहार भी किया जाता है। विभिन्न समस्याओं के प्रति समाचार-पत्र में सम्पादक के नाम से कुछ पत्र या लेख निकलते हैं। इन पत्रों तथा लेखों के आधार पर जनमत मापा जाता है। इससे यह

ज्ञात होता है कि किसी खास समस्या के प्रति जनमत कैसा है। अमेरिका की जनता के मतों का अध्ययन करने के लिए गैलप तथा हैरो व रोपर ने इसी विधि का प्रयोग किया था।

(5) साक्षात्कार विधि - इस विधि द्वारा भी जनमत की माप की जाती है। सारी जनता का साक्षात्कार लेना संभव नहीं है। इसलिए सम्पूर्ण जनसंख्या में एक निदर्शन का चुनाव इस ढंग से किया जाता है कि वह समग्र का प्रतिनिधित्व करता हो। इसी निदर्शन में सम्मिलित व्यक्तियों का साक्षात्कार लिया जाता है। इन व्यक्तियों से साक्षात्कारकर्ता अपनापन का सम्बन्ध स्थापित करते हैं जिससे जनता अपने दिल की बातों को व्यक्त करते हैं। इन बातों और विचारों के आधार पर जनमत की जानकारी हो जाती है।

(6) ऐतिहासिक तुलनात्मक विधि - इस विधि में किसी निर्धारित समय में जनता के दृष्टिकोण तथा विश्वासों के परिवर्तन की जाँच की जाती है। इसके लिए इतिहास, विषय अध्ययन, साक्षात्कार आदि विधियों का सहारा लिया जाता है। जनमत में भावनाओं, उत्तेजनाओं, धारणाओं आदि का भी हाथ होता है। इसका भी ध्यान इस विधि में रखा जाता है। जनमत के विषय में

अनेक महत्वपूर्ण बातों का ज्ञान इस विधि द्वारा होता है। उदाहरणार्थ किसी विषय में जनमत कैसे प्रकार है तथा कोई या कानून बन जाता है इसकी जानकारी इस विधि के द्वारा मिलती है।

(7) गैलप मतदान प्रणाली - जनमत मापने की सबसे प्रसिद्ध विधि गैलप मतदान प्रणाली है। सबसे पहले डॉ० एच० गैलप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव की भविष्यवाणी करने के लिए इस विधि का प्रयोग किया था। तब से इसकी लोकप्रियता निरन्तर बढ़ रही है। इसमें समस्या से सम्बन्धित प्रश्नों की एक ~~सूची~~ सूची बनायी जाती है प्रश्नों के उत्तर हाँ या नहीं में दिये जाते हैं। साथ ही ये प्रश्न उत्तरदाताओं की भावना पर आघात नहीं करते हुए।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि जनमत मापने के अनेक विधियाँ प्रचलित हैं, जिनका उपयोग कर जनमत को मापा जाता है परन्तु जनमत एक परिवर्तनशील धारणा है, इसलिए इसकी वास्तविक माप कठिन है।

Vijant Kumar Mishra
Dept of Sociology
Date- 20/01/2021